CONTENT CREATER NAME:	NEERAJ SINGH
NAME OF THE COLLEGE:	UNITY PG COLLEGE, HARDOI ROAD, SECTOR - B, BASANT KUNJ, LUCKNOW.
DESIGNATION:	ASSISTANT PROFESSOR
FACULTY:	EDUCATION
DEPARTMENT:	DEPARTMENT OF EDUCATION
GENDER:	MALE
MOBILE:	8176906092, 7991206682
E-MAIL ADDRESS:	neerajsingh.udc@gmail.com neerajsingh398@gmail.com

TEACHER AUTONOMY

According to NPE (1986), "The status of the teacher reflects the socio-cultural ethos of a society. It is said that no people can rise above the level of its teacher. The government and the community should endeavor to create conditions which help motivate and inspire teachers on constructive and creative lines."

Teacher autonomy is essential for ensuring a learning environment that addresses children's diverse need as much as the learner required space, freedom, flexibility and respect. The teacher also requires the same. Teacher autonomy is driven by a lead for personal and professional improvement.

Meaning and Definitions

Teacher autonomy is defined as "The capacity to take control of one's own teaching." Teacher autonomy means freedom of the study, learn and teach. There should not be too much interference in

the work of teachers by higher authorities so that teacher may perform his duty without any fear.

Little (1995) first defines, "Teachers autonomy as the teachers capacity to engage in self directed teaching."

According to Richard Smith (2000), Teacher autonomy refers to "The ability to develop appropriate skills, knowledge and attitudes for oneself as a teacher, in cooperation with others."

According to Huang (2005), "Teacher's willingness capacity and freedom to take control of their own teaching and learning are known as teachers autonomy."

Characteristics

Smith (2001) summarizes 6 very comprehensive characteristics of teachers autonomy as follows:-

A. Self-directed professional action,
B. Capacity for self directed professional action,

C. Freedom from control over professional action,
D. Self-directed professional development,
E. Capacity for self directed professional development,
F. Freedom from control over professional development.

What teachers autonomy is not ?

- Teachers autonomy is not an Independence or isolation.
- Teacher autonomy cannot be explained as an exclusive psychological, technical or political issues
- It is not a static entity that some people possess and other does not.
- It cannot be interpreted as additional responsibilities given to the teacher.
- Teacher autonomy does not refer to an absolute state of freedom constraint.

Need of teachers autonomy

- It is essential for ensuring a learning environment that addresses children diverse needs.
- It is driven by a need for personal and professional improvement.
- An autonomous teacher feels personal responsibilities, attends workshop and come up with new classroom ideas.
- It refers to the ability to develop appropriate skills knowledge and attitudes for oneself as a teacher, in cooperation with other.
- Autonomous teacher feel more confident with virtual learning environment.
- It is necessary in order to be able to respond to student's need, interest, motivation and individualized our approach.

शिक्षक स्वायत्तता

NPE (1986) के अनुसार, “शिक्षक की स्थिति एक समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक आस्था को दर्शाती है। ऐसा कहा जाता है कि कोई भी व्यक्ति अपने शिक्षकों के स्तर से ऊपर नहीं बढ़ सकता है। सरकार और समुदाय को ऐसी स्थिति बनाने का प्रयास करना चाहिए, जो रचनात्मक और रचनात्मक आधार पर शिक्षकों को प्रेरित करने में सहायता करते हैं।

सीखने के वातावरण को सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक स्वायत्तता आवश्यक है जो कि बच्चों की विविध जरूरतों को पूरा करती है। जितना सीखने की आवश्यकता होती है, उतनी ही भूमि, क्षेत्र, आजादी या स्वतंत्रता, लचीलापन और सम्मान की आवश्यकता होती है। शिक्षक को भी इसी की आवश्यकता होती

है। शिक्षक स्वायत्तता, व्यक्तिगत और व्यावसायिक सुधार की आवश्यकता से प्रेरित है ।

अर्थ व परिभाषा

शिक्षक स्वायत्तता को अपने स्वयं के शिक्षण पर नियंत्रण रखने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया है ।

शिक्षक स्वायत्तता का अर्थ है→ अध्ययन, सीखना और सिखाना।

उच्च अधिकारिता द्वारा, शिक्षक के काम में ज्यादा हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए ताकि शिक्षक बिना डर के अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें।

लिटिल 1995 के अनुसार, "शिक्षक स्वायत्तता को स्वयं निर्देशित शिक्षण में संलग्न होने के लिए शिक्षकों की क्षमता के रूप में परिभाषित किया है ।"

रिचर्ड स्मिथ 2001 के अनुसार, "शिक्षक स्वायत्तता का अर्थ है:- दूसरों के साथ सहयोग में, एक शिक्षक के रूप में अपने लिए उपयुक्त कौशल, ज्ञान और व्यवहार विकसित करने की क्षमता।"

हुआंग 2005, "शिक्षकों की इच्छा, क्षमता और अपनी स्वयं की शिक्षा व शिक्षण को नियंत्रित करने की स्वतंत्रता शिक्षक स्वायत्तता कहलाती है।"

विशेषताएं

स्मिथ (2001) ने शिक्षक स्वायत्तता की विशेषताओं की को 6 भागों में विभाजित किया है →

- आत्म निर्देशित व्यावसायिक कार्यवाही,
- स्व-निर्देशित व्यावसायिक कार्यवाही की क्षमता,
- व्यावसायिक कार्यवाही पर नियंत्रण से स्वतंत्रता,
- आत्म-निर्देशित व्यावसायिक विकास,

NEERAJ SINGH
ASSISTANT PROFESSOR (B.Ed.)
UNITY P.G. & LAW COLLEGE

- आत्म निर्देशित व्यावसायिक विकास के लिए क्षमता,
- व्यावसायिक विकास में नियंत्रण से स्वतंत्रता ।

शिक्षक स्वायत्तता क्या नहीं है।

- शिक्षक स्वायत्तता एक प्रकार की स्वतंत्रता नहीं है ।
- शिक्षक स्वायत्तता को विशेष, मनोवैज्ञानिक, तकनीकी या राजनैतिक मुद्‌दों के रूप में समझाया नहीं जा सकता है ।
- यह एक स्थिर इकाई नहीं है, जो कुछ लोगों के पास है और दूसरों के पास नहीं हैं ।
- शिक्षक को दिए गए अतिरिक्त जिम्मेदारियों के रूप में इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती हैं ।
- शिक्षक स्वायत्तता स्वतंत्रता प्रतिबंध की एक पूर्ण स्थिति का उल्लेख नहीं करती है ।

NEERAJ SINGH
ASSISTANT PROFESSOR (B.Ed.)
UNITY P.G. & LAW COLLEGE

शिक्षक स्वायत्तता की आवश्यकता

- सीखने के वातावरण को सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि बच्चों की विभिन्न जरूरतों को संबोधित किया जाए ।
- यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक आवश्यकता से प्रेरित है ।
- एक स्वायत्त शिक्षक व्यक्तिगत जिम्मेदारियों को महसूस करता है, कार्यशाला में भाग लेता है, और कक्षा में नए विचारों के साथ आता है ।
- यह दूसरों के साथ सहयोग में एक शिक्षक के रूप में उचित कौशल, ज्ञान, दृष्टिकोण को विकसित करने की क्षमता को दर्शाता है ।
- स्वायत्त शिक्षक आभासी अधिगम वातावरण के साथ अधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं ।

- छात्र की जरूरत, रुचि, प्रेरणा और हमारे दृष्टिकोण को अलग-अलग करने के पक्ष में सक्षम होने के लिए यह आवश्यक है।